हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 300 देहरादून, मंगलवार, 28 मई, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

चार लाख तीर्थयात्रियों ने किया यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के दर्शन 3

श्रद्धालुओं और वाहनों की क्षमता परखने के निर्देश दिए सीएम ने

तीर्थाटन और पर्यटन मार्गों पर पार्किंग और मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए

- कैंची धाम के लिए शटल बस सेवा शुरू करने के दिये निर्देश
- श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत दोनों मण्डलों की कनेक्टिविटी पर दिया जाए विशेष ध्यान
- श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध करायेगा 'यात्रा समाधान' मोबाइल एप्लीकेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा, मानसखण्ड मदिंर माला मिशन, कैंचीधाम और पूर्णागिरी में विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा में हर साल श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि चारों धामों की धारण क्षमता के अलावा यात्रा मार्ग के अन्य स्थलों पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों की धारण क्षमता का आंकलन करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा मार्गों और राज्य के तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर पार्किंग और मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव आवास विभाग को भेजे जाएं। चारधाम यात्रा के चरम सीमा वाली अवधि में हर साल के लिए विशेष प्लान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल सेवा शुरू होने से पहले रेल मार्गों पर और कर्णप्रयाग एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में पार्किंग एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी कार्ययोजना के साथ कार्य किये जाएं।

चारधाम यात्रा सुचारू रूप से चलने पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने शासन और प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि इसी मनोयोग के साथ चारधाम यात्रा को आगे भी सुव्यवस्थित रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 31 मई तक ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन बंद रखे जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा के अनुरूप ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन पर आगे निर्णय लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने गढ़वाल और कुमांऊ कमिश्नर को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत रूट डायवर्ट प्लान पर भी कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम और पूर्णागिरी में भी श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंची धाम में मूलभूत सुविधाओं के साथ पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था रखी जाए। कैंची धाम जाने वाले मार्गों में भी पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था की जाय। कैंची धाम के लिए शटल बस सेवा शुरू की जाय। कैंचीधाम के लिए बाईपास भी प्रस्तावित है। पूर्णागिरी में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत कार्यों में तेजी लाई जाय। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के साथ ही मूलभूत सुविधाओं पर तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि गढ़वाल और कुमांऊ की कनेक्टिविटी को और मजबूत करने और पर्यटन तथा तीर्थाटन की दृष्टि से दोनों मण्डलों को श्रद्धालुओं से जोड़ने लिए रानीखेत और चौखुटिया क्षेत्र में होम स्टे और अन्य सुविधाओं को विस्तार देने पर कार्य किया जाए।

चारधाम यात्रा को सुगम और बेहतर बनाने के लिए 'यात्रा समाधान' मोबाइल एप्लीकेशन का प्रस्तुतीकरण भी किया गया। इस मोबाइल एप्लीकेशन का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं एक ही प्लेटफार्म पर देना है। इस एप्लीकेशन के माध्यम से चारों धामों के निकटवर्ती पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल, पार्किंग और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से यात्रा से जुड़े सभी पक्षकार बीकेटीसी, मंदिर प्रशासन, होटल, टूर ऑपरेटर्स, ट्रांसपोर्टस आपस में जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आईटीडीए और पर्यटन विभाग को निर्देश दिये कि इस मोबाइल एप्लीकेशन को और बेहतर बनाने के लिए कार्य किये जाए।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, अरविन्द सिंह ह्यांकी, सचिन कुर्वे, दिलीप जावलकर, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, सचिव एस.एन. पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, एडीजी ए.पी. अंशुमन, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, नितिन भदौरिया, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, एसएसपी अजय सिंह वर्चुअल माध्यम से अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, कुमांऊ कमिश्नर दीपक रावत, जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज गर्ब्याल, जिलाधिकारी नैनीताल वंदना उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पहुंचे चारधाम रजिस्ट्रेशन कार्यालय, लोगों से लिया फीडबैक

- श्रद्धालुओं से लिया व्यवस्थाओं का फीडबैक : धामी
- चाय की चुस्की संग श्रद्धालुओं से मिले सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय एवं श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनसे व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं समेत पेयजल, भोजन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए विश्राम स्थल, स्वास्थ्य केन्द्र एवं यात्रा नियंत्रण कक्ष में सभी सुविधाओं का भी जायजा लिया।

धामी ने मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के दिये निर्देश

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने एवं व्यवस्थित यात्रा के लिए आपसी सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से उत्तराखण्ड आने वाले श्रद्धालुओं की सुगमए सुरक्षित एवं सुविधाजनक चारधाम यात्रा के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, आईजी के.एस. नगन्याल एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

मानसखंड कॉरिडोर में बनेंगे 16 रोपवे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , गढ़वाल के मंदिरों की तरह ही कुमाऊं के मंदिरों को विकसित करने के लिए सरकार ने मानसखंड मंदिर माला मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत अब मानसखंड कॉरिडोर में 16 रोपवे बनाए जाएंगे। रोपवे बन जाने से कुमाऊं के मंदिरों की यात्रा और भी सुगम हो जाएगी। मानसखंड कॉरिडोर में बनेंगे 16 रोपवे केदारखंड की तहत ही अब मानसखंड के मंदिरों की यात्रा आसान होगी। मानसखंड के मंदिरों और धार्मिक स्थलों को विकसित करने के लिए की गई सरकार की पहल अब रंग ला रही है।

मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत बन रहे मानसखंड कॉरिडोर के तहत अब 16 रोपवे बनाए जाएंगे। बता दें कि प्रदेश में पर्वतमाला प्रोजेक्ट के अंतर्गत 39 रोपवे प्रस्तावित हैं। जिसमें से 16 मानसखंड कॉरिडोर में बनने हैं।

मानसखंड कॉरिडोर में बनने वाले इन 16 रोपवे के प्रस्तावों पर केंद्रीय एजेंसी ने फिजिबिलिटी टेस्ट शुरू कर दिया है। बता दें कि चारधाम की तरह ही कुमाऊं क्षेत्र के मंदिर व धार्मिक स्थलों की यात्रा और इन स्थलों को विकसित करने का खाका सीएम धामी के निर्देश पर खींचा गया है। मिशन के तहत इन मंदिरों को किया जाना है विकसित

अल्मोड़ा- जागेश्वर महादेव मंदिर, चितई गोलू मंदिर, सूर्यदेव मंदिर कटारमल, कसार देवी मंदिर, नंदा देवी मंदिर चंपावत- पाताल रुद्रेश्वर, मां पूर्णागिरी मंदिर, मां बाराही देवी मंदिर, बालेश्वर मंदिर पिथौरागढ़- पाताल भुवनेश्वर मंदिर, हाट कालिका मंदिर नैनीताल- नैना देवी मंदिर, कैंचीधाम मंदिर बागेश्वर- बागनाथ मंदिर, बैजनाथ मंदिर ऊधमसिंह नगर- चैतीधाम मंदिर

आ गया हर्बल देशी घी, फायदे बेहिसाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , नकली घी खाने की डर से अगर आप देसी घी से दूर भागते हैं तो ये खबर आपको ज़रूर पढ़नी चाहिए क्योंकि बाज़ार में नकली देशी घी की मौजूदगी और घरों में उसकी पहचान करना बेहद मुश्किल काम है लेकिन अब गुड न्यूज़ज़ है क्योंकि काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हर्बल देसी घी तैयार किया गया है. विश्वविद्यालय के डेयरी साइंस एंड फूड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट और आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों ने रिसर्च के बाद इसे तैयार किया है. इस घी को तैयार करने में हल्दी को पीला रंग देने वाले करक्यूमिन एंटीऑक्सीडेंट का प्रयोग किया गया है. रिसर्च में दावा किया गया है कि इस हर्बल देसी घी के इस्तेमाल से मेमोरी क्षमता को बढ़ाया जा सकता है.

नकली घी से मिलेगा छुटकारा

खास बात ये भी है कि बीएचयू में हुए इस रिसर्च को नीदरलैंड के प्रतिष्ठित जर्नल 'फूड एंड ह्यूमैनिटी' ने पब्लिश किया है.

बिहार के डॉ भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डी सी राय और उनकी टीम ने यह रिसर्च किया है. प्रोफेसर डी सी राय ने बताया कि जब देसी घी में हल्दी को पीला रंग देने वाले करक्यूमिन एंटीऑक्सीडेंट का मिश्रण किया गया तो उसके एंटीऑक्सीडेंट गुण और भी पावरफुल हो गए जो शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण होने वाले नुकसान से बचाता है.

लम्बे समय तक नहीं होगा खराब

बताते चलें कि ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण ही लोगों को मेमोरी लॉस की समस्या होती है.

ऐसे में यह याददाश्त क्षमता को भी बढ़ता है. इसके अलावा हल्दी के करक्यूमिन एंटीऑक्सीडेंट इसे लम्बे समय तक खराब होने से भी बचाते हैं. इससे इस हर्बल घी के खराब होने की आशंका भी कम होती है. प्रोफेसर डी सी राय ने दावा किया है की यह हर्बल देसी घी इम्युनिटी बढ़ाने के साथ कई रोगों से लड़ने और बचाने में भी मदद करता है. बीएचयू में तैयार इस हर्बल घी को बनाने में डॉ सुनील मीणा, जयराम मीणा, अनिता राज, राजकुमारी दुलारी, बी कीर्ति रेड्डी और आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर भी शामिल हैं.

"कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली" का सच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , बचपन से लेकर आज तक हजारों बार इस कहावत को सुना होगा- "कहां राजा भोज- कहां गंगू तेली". आमतौर पर यह ही पढ़ाया और बताया जाता था कि इस कहावत का अर्थ अमीर और गरीब के बीच तुलना करने के लिए है. दरअसल, कहां राजा भोज और कहां गंगू तेली वाली कहावत का अमीरी और गरीबी का दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है. इसके अलावा न ही इस इस कहावत का गंगू तेली से कोई संबंध है. आइए जानते हैं "कहां राजा भोज- कहां गंगू तेली" कहावत की सच्चाई की कहानी क्या है.

"कहां राजा भोज- कहां गंगू तेली" का मतलब

अक्सर लोग "कहां राजा भोज- कहां गंगू तेली" कहावत को लेकर यही सोचते हैं कि किसी गंगू नाम के तेली की तुलना राजा भोज से की जा रही है. मगर, ये एक सिरे से गलत है. बल्कि, गंगू तेली नाम के शख्स खुद राजा थे. इस कहावत का असलियत जानकर उन लोगों का भी बौद्धिक विकास होगा जो आज तक इसका इस्तेमाल अमीरी-गरीबी की तुलना के लिए करते आए हैं.

व्यंग्य के तौर पर कहावत हुई प्रसिद्ध

राजा भोज परमार वंश के 9वें राजा थे. राजा भोज 55 वर्ष के जीवन में कई लड़ाइयां लड़े और जीते. मध्य प्रदेश का धार उनकी राजधानी हुआ करता था. इतना ही नहीं उन्होंने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल शहर को भी बसाया था. तब उस शहर को भोजपाल नगर कहा जाता था जो वक्त के साथ पहले भूपाल और अब भोपाल के नाम से जाना जाता है. ये तो हुआ एक राजा का परिचय लेकिन उनका एक और परिचय भी है. फ़ारसी विद्वान अल-बरुनी जो 1018-19 में महमूद गजनवी के साथ भारत आए थे, उन्होंने भी अपनी एक कहानी में राजा भोज का जिक्र किया है. भोज बड़े विद्वान भी थे. उनके पास धर्म, व्याकरण, भाषा, कविता आदि का ज्ञान था. भोज ने सरस्वतीकण्ठाभरण, श्रंगारमंजरी, चम्पूरामायण जैसे कई ग्रन्थ लिखे जिसमें से 80 आज भी उपलब्ध हैं.

राजा भोज ने छोटी सी सेना से दोनों को हरा दिया

गंगू-तेली का इतिहास काफी रोचक है... अब बात करते हैं 'गंगू-तेली' की, इतिहासकारों की इनके बारे में अलग-अलग राय है, कुछ इतिहासकारों का मानना है कि गंगू और तेली दो लोग थे जो कि दक्षिण भारत के राजा थे, गंगू का पूरा नाम कलचुरि नरेश गांगेय था, जबकि तेली का पूरा नाम चालुक्य नरेश तैलंग था, ये दोनों अपने आप को काफी बहादुर और बुद्धिमान समझते थे इसलिए इन्होंने राजा भोज के राज्य पर आक्रमण कर दिया था। इनके पास काफी सेना थी, जिससे मुकाबला करने के लिए राजा भोज अपनी सेना की एक छोटी सी टुकड़ी लेकर पहुंचे थे और उन्होंने दोनों को धूल चटा दी थी, जिसके बाद लोगों ने तंज कसते हुए ये कहावत बना दी लेकिन पहले लोग कहते थे 'कहां राजा भोज और कहां गांगेय-तैलंग' लेकिन बाद में नाम बिगाड़ते-बिगाड़ते 'कहां राजा भोज और कहां गंगू-तेली' चलन में बन गया।

आइये यहाँ स्वर्ग से सुंदर है फूलों की घाटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , क्या आप ऐसी जगह पर नहीं जाना चाहेगा जो स्वर्ग जैसी दिखती हो ? बर्फीले सफेद हिमालय की चादर ओढ़े प्रकृति की सुंदरता की ओर चलते हुए, आप धुंध भरी हवाओं और प्रामाणिक दृश्यों में समय बिताना और अपने मन को तरोताजा करना चाहेंगे। अगर आपको प्रकृति और उसमें शामिल दृश्यों और अनुभूतियों में गहरी रुचि है तो भारत में फूलों की घाटी ट्रेक आपके लिए घूमने के लिए सबसे आकर्षक जगहों में से एक है । यह एक वास्तविक सौंदर्य है जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है और उन्हें शाश्वत सौंदर्य की धारणा को समझने में मदद करता है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में इसकी स्थिति है। दुनिया भर से लोग और पर्यटक इसकी वनस्पतियों और जीवों की आकर्षक रचना को देखने आते हैं। सबसे आरामदायक और शांतिपूर्ण वातावरण के साथ, आप निश्चित रूप से इस स्थान का पूरा आनंद लेंगे

देहरादून से फूलों की घाटी

देहरादून से फूलों की घाटी जून में अक्टूबर के पहले सप्ताह तक सभी के लिए खुल जाती है। यह सबसे अच्छी मानसून सुंदरता सामने लाता है जो आपने कभी देखी होगी। यह आपके द्वारा किसी यात्रा के लिए की गई सर्वोत्तम छुट्टियों की प्रतिबद्धताओं को पूरा करता है। दिनचर्या से ब्रेक के बावजूद, यह मानसिक और भावनात्मक संतुष्टि प्रदान करता है। जिस तरह इसका जादुई नाम फूलों की घाटी है , इसकी खुशबू ताज़ा है और जुलाई और अगस्त के मानसून महीनों के दौरान यात्रा करने के लिए यह सबसे अच्छा है। इसमें कई पर्यटन स्थल भी हैं जिन्हें अगर कोई इस फूलों की टोकरी में देखने आता है तो उसे अवश्य देखना चाहिए।

आप पूरे साल इस प्राकृतिक खजाने की खोज कर सकते हैं, लेकिन यहाँ कुछ बातें हैं जिन्हें यात्रा करते समय ध्यान में रखना चाहिए - फूलों की घाटी उत्तराखंड की यात्रा का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक है क्योंकि इस दौरान फूल प्रचुर मात्रा में खिलते हैं। - अगर आप भीड़-भाड़ से बचना चाहते हैं तो नवंबर से अप्रैल के बीच भी जा सकते हैं।यह भारत का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, जहाँ कई हिंदू तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक साधना के लिए यात्रा करते हैं। यह घास का मैदान मौसमों में फूलों से खिलता है और आप वर्ष के किसी भी समय यहाँ आ सकते हैं। यदि आप इस क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं, तो फूलों की घाटी उत्तराखंड की यात्रा के लिए यह सबसे अच्छा समय होगा यदि आपने सितंबर की शुरुआत में अपनी यात्रा की योजना बनाई थी, जब वे कहते हैं कि घाटी अपने सबसे सुंदर रूप में है।फूलों की घाटी एक नाजुक सुंदरता है जो हिमालय की तलहटी में बसती है। यह अपने बहुरंगी घास के मैदानों के लिए प्रसिद्ध है, जो जुलाई से अक्टूबर तक फूलों से खिलते हैं। यह घाटी नीले पोस्ता, पीले सक्सौल और लाल मकड़ी लिली जैसे कई दुर्लभ फूलों का घर है। कई लोग इस जादुई जगह के छोटे से मौसम का अधिकतम लाभ उठाने के लिए फूलों की घाटी, उत्तराखंड क्षेत्र की यात्रा करते हैं । यदि आप रोमांच से भरपूर छुट्टी की तलाश में हैं, तो यह आपके लिए बिल्कुल सही है।

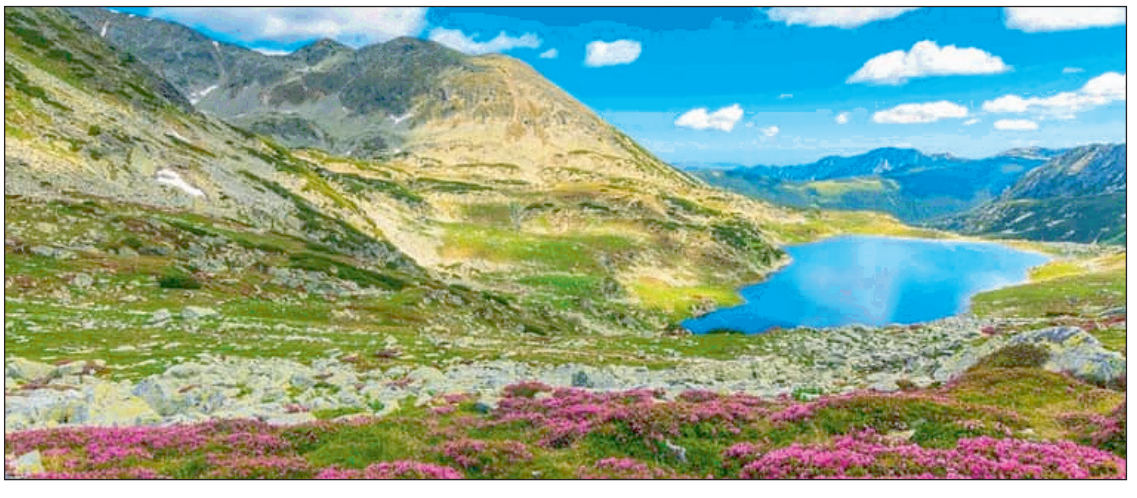

चार लाख तीर्थयात्रियों ने किया यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 28 मई , यमुनोत्री और गंगोत्री धाम की यात्रा सुचारू और सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है। इस बार रिकार्ड संख्या में इन दोनों धामों पर श्रद्धालुओं के आगमन का क्रम निरंतर जारी है। इस यात्राकाल में कपाट खुलने के सत्रह दिनों के अंदर यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में चार लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का आगमन हो चुका है। यात्रा प्रारम्भ होने के सत्रह दिनों के भीतर धामों में पहुंचने वाले यात्रियों की तादाद पिछले साल की तुलना में इस बार गंगोत्री धाम में 39.55 प्रतिशत तथा यमुनोत्री धाम में 48.84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में इस यात्रा काल में सत्रह दिनों के भीतर कुल 408837 यात्री पहुंचे हैं। यात्रा के शुरुआती सत्रह दिनों की तुलना करें तो गंगोत्री धाम में वर्ष 2023 में 121007 तथा इस बार 200193 यात्री पहुंचे हैं। इस प्रकार गंगोत्री में इस बार 79186 यात्री ज्यादा आये हैं।

यह आंकड़ा पिछले साल से 39.55 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह इस दौरान यमुनोत्री धाम में वर्ष 2023 में 106747 तथा इस बार 208644 यात्री पहुंचे ।

यमुनोत्री धाम में में इस बार 101897 यात्री ज्यादा आये हैं और यह बढ़ोतरी दर 48.84 प्रतिशत है।दोनों धामों में इस बार वाहनों के आवागमन में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई है। शुरुआती सत्रह दिनों में गंगोत्री में इस बार 18030 तथा बीते साल 10883 वाहन आये थे। जबकि यमुनोत्री में इस बार 17036 तथा बीते साल 9131 वाहन यात्राकाल के प्रारंभिक सत्रह दिनों में आये थे। इस प्रकार तीर्थयात्रा पर आने वाले वाहनों की संख्या पिछले साल की तुलना में इस बार गंगोत्री में 39.64 प्रतिशत तथा यमुनोत्री में 46.40 प्रतिशत अधिक है।इस बार रिकार्ड संख्या में तीर्थयात्रियों व वाहनों के आवागमन के बावजूद बेहतर यात्रा प्रबंधन के चलते यात्रा सुरक्षित व सुव्यवस्थित रूप से जारी है। यात्रा मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सुचारू बनी हुई है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट निरंतर यात्रा व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी और स्थलीय निरीक्षण में जुटे हुए हैं। यात्रा संचालन को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रशासन के द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं और धामों के साथ ही यात्रा मार्गों पर बड़ी संख्या में अधिकारियों को तैनात किया गया है।

सस्ती और भरपूर बिजली की उपलब्धता UPCL का लक्ष्य : अनिल कुमार, MD

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 मई, प्रदेश के सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं के लिये उत्तम गुणवत्ता एवं उचित दरों पर बिजली की उपलब्धता के लिये यूपीसीएल हमेश से प्रतिबद्ध है। लगातार बढ़ रही मांग के सापेक्ष यूपीसीएल का संकल्प है कि पूरे प्रदेष में हर गांव, हर घर तक सुचारू रूप से विद्युत की मांग की आपूर्ति सतत होती रहे। माह मई 2024 में भीशण गर्मी के चलते प्रतिदिन बिजली की मांग 60 मिलियन यूनिट से अधिक पहुँच गई है। इसके बावजूद यूपीसीएल द्वारा राज्य में विद्युत की आपूर्ति पूर्ण रखने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्र में षत-प्रतिषत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जागरूक जनमानस के सहयोग तथा शासन एवं उत्तराखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में ही ऐसी विद्युत आपूर्ति प्रदान किया जा पाना संभव हो पा रहा है। दिनांक 27 मई, 2024 को उत्तराखंड के शहरों, कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा उद्योगों में विज्ञप्ति जारी किये जाने तक कोई शेड्यूल रोस्टरिंग नहीं की गई है तथा माह मई-2024 में अब तक विद्युत आपूर्ति एवं रोस्टरिंग का

विवरण निम्न प्रकार हैः

विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की माह मई 2024 में विद्युत उपलब्धता

अविरल उद्योग 100 प्रतिशतविरल उद्योग 100 प्रतिशतबड़े शहर 100 प्रतिशतछोटे शहर 100 प्रतिशतग्रामीण क्षेत्र 99.28 प्रतिशतस्टील फर्नेस 99.58 प्रतिशतदिनांक शेड्यूल रोस्टरिंग की स्थितिग्रामीण क्षेत्र स्टील फर्नेस23 मई, 2024 शून्य शून्य24 मई, 2024 शून्य शून्य25 मई, 2024 शून्य शून्य26 मई, 2024 शून्य शून्य27 मई, 2024 शून्य शून्य

कुल अनुमानित विद्युत माँग 60.97 मिलियन यूनिट की है जिसमें विभिन्न स्रोतों से कुल विद्युत उपलब्धता लगभग 53.92 मिलियन यूनिट है। कुल अनुमानित मांग के सापेक्ष राज्य से 23.68 मिलियन यूनिट एवं केंद्रीय पूल से 24.77 मिलियन यूनिट की उपलब्धता रहेगी। उपरोक्त के अनुसार कल किसी भी प्रकार की कटौती संभावित नहीं है। सम्मानित उपभोक्ताओं को सुचारू विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार की अपरिहार्य स्थिति में विद्युत की उपलब्धता में कमी होने पर रियल टाइम में विद्युत क्रय कर प्राविधानित की जायेगी।

प्रबन्ध निदेशक ने की बिजली बचाने की अपील

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0 के एमडी अनिल कुमार ने सम्मानित उपभोक्ताओं, प्रदेश की जनता के साथ-साथ सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों के विभागाध्यक्षों से घरों एवं कार्यालयों में यथासंभव विद्युत का बचत के साथ प्रयोग करते हुए राष्ट्रहित एवं प्रदेश हित में अपना सहयोग प्रदान करने अपील की है।

भीड़ प्रबंधन का स्थाई इंतजाम करे सरकार : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 मई , राज्य में चार धाम यात्रा व पर्यटन सीजन शुरू होते ही जिस प्रकार से उत्तराखंड की तरफ रुख करने वालों की भीड़ में इजाफा हो रहा है और आने वालों की भीड़ को नियंत्रित करने में शासन प्रशासन की सांसें उखड़ रही हैं यह स्थितियां आने वाले समय में और भायवाह हो जाएंगी अगर सरकार ने भीड़ नियंत्रित करने के लिए समय पर भीड़ रबांधन के स्थाई इंतजाम नहीं किए तो यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कही।

उन्होंने कहा कि अप्रैल अंत व मई के पहले सप्ताह में उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के साथ साथ अगले पंद्रह दिनों में श्री हेमकुंड साहिब यात्रा, श्री कैंची धाम यात्रा के अलावा अनेक सिद्ध पीठों और अपने अपने पैतृक गांवों में उत्तराखंड के प्रवासी लाखों की संख्या में उत्तराखंड पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि मई जून में ही स्कूलों के अवकाश के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक भी उत्तराखंड की ओर रुख करते हैं और यह संख्या आने वाले तीन वर्षों में कई गुणा बढ़ने वाली है

क्यूंकि दिल्ली देहरादून का निर्माणाधीन एक्सप्रेस हाई वे जिससे तीन घंटे में दिल्ली से देहरादून पहुंचा जा सकेगा व ऋषिकेश कर्ण प्रयाग रेल लाइन जिसके दो तीन साल में शुरू होने की संभावना है इनके शुरू होते ही उत्तराखंड आने वालों की

- देहरादून एक्सप्रेस वे और रेल मार्ग से बढ़ेगी राज्य में भीड़
- राज्य में आने वाले तीर्थ यात्रियों व सैलानियों को मिले सुरक्षित प्रवास

संख्या में कई गुणा इजाफा हो सकता है जिसके कारण भीड़ नियंत्रण करना अपने आप में एक अलग ही काम होगा जिसका बहुत वैज्ञानिक तरीके से अभी से प्रबंधन की योजना सरकार को बनानी चाहिए। धस्माना ने कहा कि राज्य के पास भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस बल, एसडीआरएफ के जवान व किसी प्रकार की दुर्घटना या आपदा होने पर उससे निबटने के लिए क्विक रेस्पॉन्स बल होना चाहिए। धस्माना ने कहा कि वह इस संबंध में मुख्यमंत्री को मिल कर एक सुझाव पत्र भी सौंपेंगे।

अपर मुख्य सचिव ने किया केदारनाथ धाम का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने सोमवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर तीर्थयात्रियों के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भीड़ बढ़ने पर यात्रियों को पहले ही सुरक्षित स्थानों पर ही रोका जाए।केदारनाथ पहुंचने पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने बाबा केदार के दर्शन भी किए। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने कहा कि चारधाम यात्रा में आ रहे श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जिलाधिकारी से जानकारी ली।

खड़े खड़े पानी पीना पड़ेगा भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , हम सभी जानते है कि पानी हमारे शरीर के लिए कितना ज़रूरी है इसके बिना हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते है।हमारा पूरा जीवन जीवित रहने के लिए पूरी तरह से पानी पर ही आश्रित है, शरीर में पानी की कमी होने पर शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है। शरीर को सही रूप से काम करने के लिए प्रतिदिन 2 से 3 लीटर पानी पीना चाहिए।क्या आपको पता है खड़े होकर पानी पीने का हमारे शरीर पर क्या असर पड़ता है इस सीधा बुरा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। क्योंकि इस तरह पानी पीने से यह तेज गति से भोजन नली से होते हुए सीधे पेट के निचले हिस्से पर पहुंच जाता है, इससे तरल पदार्थ का संतुलन हमारे शरीर में बिगड़ जाता है, जिसकी वजह से बदहजमी की समस्या बढ़ जाती है। आइए जानते है खड़े होकर पानी पीने

से सेहत को होने वाले नुकसान,

खड़े होकर पानी पीने से नुकसान

अगर आप खड़े होकर पानी पीते है तो इससे हमारे शरीर को पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। पानी बहुत तेजी से गुजर जाता है ये हमारे फेफड़ों और हृदय को नुकसान पहुंचता है, खड़े होकर पानी पीने से खाने वाली और विंड पाइप में होने वाली ऑक्सीजन की सप्लाई रुक सकती है।जब भी आप खड़े होकर पानी पीते है तो इससे आपका तनाव भी बढ़ जाता है। अगर खड़े होकर पानी पिया जाए, तो इसका सीधा असर हमारे नर्वस सिस्टम पर होता है और शरीर तनाव में आता है।हम खड़े होकर पानी शरीर में बिना फिल्टर हुए निचले पेट की तरफ सीधे चला जाता है। जो भी पानी में अशुद्धियों होती है उनको लेकर पित्ताशय में जमा करता है, यह किडनी के लिए भी हानिकारक होता है।खड़े होकर पानी पीने का सबसे बुरा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है क्योंकि इस तरह पानी पीने से यह तेज गति से भोजन नली से होते हुए सीधे पेट के निचले हिस्से पर पहुंच जाता है और अधिक दबाव बनता है, जो हानिकारक होता है और शरीर में तरल पदार्थ का संतुलन बिगड़ता है, जिसकी वजह से बदहजमी की समस्या उत्पन्न होती है।

दहेज लिया तो अब देना पड़ेगा शपथ पत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , उत्तर प्रदेश सरकार ने मैरिज सर्टिफिकेट को लेकर नियमों में बदलाव कर दिया है। सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। दहेज के शपथ पत्र को इसके लिए अनिवार्य कर दिया गया है। मैरिज सर्टिफिकेट के नियमों के तहत, दूल्हा-दुल्हन पक्ष के लोगों की ओर से शादी का कार्ड, आधार कार्ड, हाईस्कूल की मार्कशीट के साथ दो गवाहों के दस्तावेज भी लगेंगे। दूल्हा-दुल्हन के पक्ष की ओर से शादी में लिए और दिए गए दहेज के विवरण का शपथ पत्र भी सर्टिफिकेट के साथ लगाया जाएगा।

मैरिज सर्टिफिकेट के लिए यूपी सरकार ने रजिस्ट्रेशन विभाग को दिशा-निर्देश जारी किया है। रजिस्ट्रेशन विभाग में मैरिज रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट बनवाने के लिए भारी संख्या में आवेदन आते हैं। नियमों के मुताबिक, वर-वधु पक्ष की ओर से विवाह का कार्ड, आधार कार्ड, हाई स्कूल की मार्कशीट के साथ दो गवाहों के दस्तावेज अब तक लगाए जाते रहे हैं। सरकार ने अब इनके साथ दहेज के शपथ पत्र को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए कार्यालय में नोटिस भी लगाया गया है।

कई स्थानों पर होता है जरूरी

मैरिज सर्टिफिकेट किसी भी व्यक्ति के शादीशुदा होने का सबसे बड़ा प्रमाण होता है। इसका उपयोग कर शादी के बाद पति या पत्नी के साथ ज्वाइंट बैंक एकाउंट खुलवाया जा सकता है। इसके अलावा पासपोर्ट के लिए अप्लाई करते समय भी मैरिज सर्टिफिकेट की जरूरत होगी। शादी के बाद बीमा के लिए भी यह जरूरी होता है। ट्रैवल वीजा से लेकर किसी देश में स्थायी निवास के लिए मैरिज सर्टिफिकेट की जरूरत होगी। शादी के बाद सरनेम न बदलने वाली महिलाओं को मैरिज सर्टिफिकेट जरूरी होता है। अगर यह नहीं रहेगा तो सरकारी सुविधाओं का लाभ उन्हें नहीं मिल सकेगा।

E-69 Highway : ये है दुनिया की आखिरी सड़क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , अक्सर हम सभी के दिमाग में सवाल आता होगा कि आखिर धरती कहां जाकर खत्म होती होगी? दुनिया की आखिरी रास्ते के बाद क्या नजारा होता होगा ? इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिल जाएंगे. जी हां, आज हम आपको दुनिया में एक ऐसी सड़क के बारे में बताएंगे जहां माना जाता है कि इस रोड के बाद दुनिया खत्म हो जाती है. आखिर इसलिए क्योंकि उसके आगे ना ही कोई रास्ता (Last road of the world) है और ना ही कोई जगह जहां इंसान रह सकते हैं.

उत्तरी ध्रुव को जोड़ती है ये सड़क

दरअसल, यूरोपियन देश नॉर्वे में एक ऐसी सड़क है, जिसे दुनिया के लास्ट रोड या फिर आखिरी सड़क के रूप में जाना जाता है. कहते हैं कि ये इस सड़क के खत्म होने बाद आपको सिर्फ समुद्र और ग्लेशियर ही दिखाई देंगे. इसके अलावा आगे देखने के लिए और कुछ नहीं है. इस सड़क को ई-69 हाइवे (E-69 Highway) के नाम से जाना जाता है. चलिए आपको इस सड़क की कुछ दिलचस्प बातें बताते हैं.

उत्तरी ध्रुव, पृथ्वी का सबसे दूर का बिंदु है, इसी से पृथ्वी की धुरी घूमती है, यही पर नॉर्वे देश भी है. E-69 हाइवे पृथ्वी के छोर को नॉर्वे से जोड़ता है. बात करें आखिरी सड़क की तो यहां से ये सड़क एक ऐसी जगह पर समाप्त होती है, जहां से आपको आगे कोई रास्ता नहीं दिखाई देगा. हर तरफ आपको केवल बर्फ ही बर्फ दिखाई देगी, सड़क की लंबाई करीबन 14 किमी है.

ड्राइव या अकेले नहीं जा सकता कोई इंसान

E-69 हाइवे पर अगर आप अकेले जाने के बारे में सोच रहे हैं और दुनिया के आखिरी छोर को पास से देखना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको एक ग्रुप तैयार करना पड़ेगा, तभी आपको यहां तक के लिए अनुमति मिलेगी. इस सड़क पर किसी भी व्यक्ति को अकेले जाने की अनुमति नहीं है और न ही यहां गाड़ी जा सकती हैं. कारण है, यहां कई किमी तक हर तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछी रहती है, जिसकी वजह से यहां खोने का खतरा है.

छह महीने तक रहता है अंधेरे का डर

यहां दिन और रात के समय का मौसम भी एकदम अलग रहता है. उत्तरी ध्रुव की वजह से सर्दियों में यहां छह महीने तक अंधेरा ही रहता है, गर्मियों में तो यहां लगातार सूरज ही दिखाई देता है. सर्दियों के दौरान यहां दिन नहीं दिखता और गर्मियों में तो यहां रात नहीं होती. हैरानी की बात तो ये है यहां इतनी मुश्किलों के बाद भी कई लोग यहां रहते हैं. इस जगह पर सर्दियों में तापमान माइनस 43 डिग्री और गर्मियों में जीरो डिग्री पहुंच जाता है...

नींद में नैनीताल की बीवी ने किया कांड !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , अगर आपको नींद से बहुत प्यार है और इसके लिए आप जुनूनी हैं तो ये आपके लिए सही नहीं है। नैनीताल में एक ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पति और पत्नी के बीच झगड़ा इस बात को लेकर हुआ कि वह गहरी नींद में काफी देर से सो रही थी. पत्नी को गहरी नींद में सोता हुआ देख पति को बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा था. पहले तो उसने थोड़ी देर इंतजार किया कि उसकी पत्नी की नींद खुल जाए, लेकिन जब कुछ देर बाद भी उसकी नींद नहीं खुली तो पत्नी को जोर से डांट लगाते हुए पति ने उसे नींद से उठाया.

पत्नी की नींद टूट गई और वह उठकर बैठ गई. पत्नी को उसकी नींद का खराब होना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा. उसके बाद उसने जो हंगामा किया कि सबकी सिट्टी-पिट्टी गुल हो गई. पत्नी के बवाल मचाने से पति और ससुराल वाले समेत कई लोगों के होश उड़ गए.

झील में कूदी पत्नी

पति ने पत्नी को जब डांट लगाई तो वह काफी परेशान थी. एक तो उसकी नींद भी टूट गई और पति की तरफ से उसे अच्छी-खासी डांट भी लगा दी गई. इन सभी बातों से नाराज पत्नी झील में कूद गई. पत्नी तल्लीताल की रहने वाली है. वह पहले बोट स्टैंड के पास गई, फिर वहां से झील में छलांग लगा दी. पति की डांट के कारण पत्नी इतनी खफा हो गई कि उसने सुसाइड करने का फैसला कर लिया और पास के ही एक झील में कूद गई.

सही समय पर स्थानीय लोगों ने महिला को झील में कूदते हुए देख लिया और उसकी जान बच गई.जब महिला पानी में कूदी तो वहां कुछ लोग मौजूद थे. महिला को बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में वहां मौजूद एक कांस्टेबल को बुलाया. कांस्टेबल ने झील में कूदी महिला की जान बचा ली. कुछ समय के बाद जब घरवालों को इसके बारे में पता चला तो सबके होश उड़ गए.

7 महीने की बच्ची टीबी की शिकार, डॉक्टर पड़े हैरत में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 28,मई : डॉक्टर के साथ ही जब माता-पिता को पता चला कि उनकी 7 महीने की बच्ची टीवी का शिकार है तो सभी हैरत में पड़ गए।केंद्र और राज्य सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी हमारे समाज से टीबी का रोग दूर नहीं हो पा रहा है और हम सभी के लिए यह गंभीर चुनौती बना हुआ है। दरअसल कोटद्वार में टीबी का ऐसा मामला आया है जिसे देख डॉक्टर और माता भी हैरान हैं।

7 महीने की बच्ची में मिले ट्यूबरक्लोसिस के लक्षण

केवल सात महीने की बच्ची में टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) के प्रारंभिक लक्षण दिखाई दिए हैं। बच्ची का डॉट्स ट्रीटमेंट शुरू करने से पहले बाल रोग स्पेशलिस्ट की ओर से अब अन्य जांचें भी कराई जा रही हैंमाता-पिता ने बताया कि उनकी बच्ची को 15 मई को टीका लगा था और तभी से लगातार बुखार आ रहा है। कोटद्वार के आम पड़ाव के रहने वाले एक दंपति की सात महीने की बेटी टीवी के रोग से

आश्चर्यजनक रूप से पीड़ित पाई गई है उन्होंने बताया कि 15 मई को बेस अस्पताल में उन्होंने अपनी इस बच्ची का टीकाकरण कराया और उसके बाद से बच्ची को बुखार आया तो माता-पिता बच्ची को इलाज के लिए बेस अस्पताल ले गए जहां पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हरेंद्र कुमार ने इलाज किया लेकिन बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ तो वो 21 मई को बच्ची को नजीबाबाद में एक निजी बाल रोग विशेषज्ञ के पास ले गए।

प्राइवेट डॉक्टर ने बच्ची का मंटौक्स टेस्ट किया जिसमें टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) की पुष्टि हुई। इसके बाद परिजन कोटद्वार आए और बेस अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुशांत भारद्वाज से संपर्क किया। मात्र सात महीने की बच्ची को टीबी होने पर डॉक्टर भी हैरत में पड़ गए। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि उनके परिवार की कोई टीबी हिस्ट्री नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ का मानना है कि किसी परिवार की अगर टीबी हिस्ट्री न हो, तो वहां इतने छोटे बच्चे का ट्यूबरक्लोसिस से पीड़ित होना सोचनीय है। अब ये होगा अगला कदमअस्पताल में बच्ची का अब सीबी नेट टेस्ट किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट यदि पॉजीटिव आती है तो फिर बच्ची का टीबी उपचार शुरू कर दिया जाएगा। इसके तहत बच्ची का एटीडी (एंटी ट्यूबरक्लोसिस ट्रीटमेंट) शुरू किया जाएगा। बच्ची को उम्र और वजन के हिसाब से टेबलेट पीस कर दी जाएगी। दरअसल मंटौक्स टेस्ट के बाद सीबी नेट टेस्ट कराने में 10 दिन का अंतर होना चाहिए। इसलिए अभी इंतजार किया जा रहा है। अगर सीबी नेट टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आती है तो कुछ समय बाद एक बार फिर मंटौक्स टेस्ट किया जाएगा। - डॉ. सुशांत भारद्वाज, बाल रोग विशेषज्ञ, बेस अस्पताल कोटद्वार।

जानिए मंटौक्स टेस्ट के बारे में

इस टेस्ट में मरीज के हाथ पर इंजेक्शन लगाया जाता है। अगर इस जगह पर अगर लाल रंग का घेरा पाया जाता है तो पीड़ित को ट्यूबरक्लोसिस होने की पुष्टि हो जाती है।बच्ची के पिता ने बताया कि जन्म के तुरंत बाद उसे बेस अस्पताल कोटद्वार में पहला टीका 11 नवंबर, 2023 को, दूसरा टीका 28 फरवरी, 2024 को और तीसरा टीका इसी महीने 15 मई को लगा था। तीसरे टीके के तीन दिन बाद बच्ची को बुखार हुआ। उपचार के बाद बुखार तो उतर गया लेकिन बच्ची की तबीयत में सुधार नहीं हुआ।

डीएम मौजूदगी में हुआ 171 मतगणना कार्मिकों का पहला रेंडमाइजेशन

चमोली। जिलानिर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की मौजूदगी में 171 मतगणना कार्मिकों का पहला रेंडमाइजेशन एनआईसी सभागार में किया गया। मतगणना के लिए विधानसभा 14 -14 टेबले लगाई जाएंगी। जिसमें 51 काउंटिंग सुपरवाइजर, 54 काउंटिंग सहायक तथा 66 माइक्रो ऑबजर सहित कुल 171 मतगणना कार्मिकों को पहला रेंडमाइजेशन किया गया। जिनको पहला प्रशिक्षण 30 मई और दूसरा प्रशिक्षण 03 जून को दिया जाएगा। इस दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, सहित सभी एआरओ मौजूद रहे।

सात सितंबर से शुरू होगी चंडिका देवी की दयोरा यात्रा

चमोली। गोलगोविंद मां गुणसाई राजराजेश्वरी चंडिका देवी सिमली की दयोरा भ्रमण यात्रा सात सितंबर से शुरू होगी। चंडिका देवी मंदिर समिति की बैठक में सर्व सम्मति से 14 वर्षो के उपरांत होने चंडिका देवी भ्रमण यात्रा के संदर्भ में जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत टकोला, उपाध्यक्ष मलक नेगी, सचिव देवेंद्र रावत व कोषाध्यक्ष इंद्रसिंह नेगी ने बताया कि 7 सितंबर को शुभ मुहूर्त पर देवी अपने गर्भगृह से बाहर आएगी तथा तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान व पूजा अर्चना एवं ब्रह्मबंधन के साथ 11 सितंबर से देवी की छह माह की भ्रमण यात्रा शुरू होगी। बैठक में जाख, सुंदरगांव, सिमली, कोली, पुडियाणी, गैरोली, सेनू गांवों के लोग, मालगुजारों के अलावा ब्रह्मगुरु बिशंभरदत्त सती, मंदिर के पुजारी प्रदीप गैरोला, कृष्णा गैरोला, पारेश्वर कंडवाल, कांति प्रसाद, महिपाल लडोला, कृष्णा सिंह, बलबीर लड़ोला, मनोज पुंडीर, भगत सिंह आदि उपस्थित रहे।

कक्षा 6 में प्रवेश हेतु राजीव गांधी नवोदय विद्यालय गैरसैंण में प्रखंड के 17छात्रों का हुआ चयन

चमोली। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय गैरसैंण की जिला स्तर विभिन्न विद्यालयों पर बीते माह हुई प्रवेश परीक्षा में प्रखड के कुल 17 छात्रों का चयन हुया है। खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि कक्षा 6 में कुल 30 सीटों के लिए हुई परीक्षा में 56.67 प्रतिशत छात्र गैरसैंण प्रखंड के छात्र सफल रहे। बताया कि योगेश सिंह राप्राावि जलचौंरा, साहिल सिंह और लक्ष्मी भैंडियाणा, तयूव मेहलचौंरी, मयंक आर्य, प्रिया और प्रेरणा सरस्वती शिशु मंदिर बीना, ईशांत कुमार गडौत, प्रियांशु मैलाणा, शिवानी स्यूणी मल्ली, दिया गैरसैंण, मीनाक्षी लाटूगैर, भावना सांरिगगांव, अक्षित ढौंडियाल न्यू होप एकेडमी, प्रवीना बूंगा और ललिता, अनुष्का, राजेश्वरी, करूणा जतन सिंह नंदा सिहं नेगी मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज गैरसैंण सामिल हैं।

यात्रा सीजन के दृष्टिगत प्रशासन की संयुक्त टीम ने बाजार में छापेमारी की

चमोली। यात्रा सीजन के दृष्टिगत प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को जोशीमठ मुख्य बाजार में छापेमारी की। टीम ने कुछ के खिलाफ चालानी कार्यवाही की तो कुछ को मानकों और तय नियमों के अनुरूप ही व्यवसाय करने की चेतावनी दी। तहसीलदार जोशीमठ अर्जुन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में खाद्यान, खाद्य पूर्ती, बाट भार माप, एलपीजी आदि विभागों की संयुक्त टीम ने मुख्य बाजार में सघन जांच अभियान चलाया। खाद्य पूर्ती निरीक्षक सुशील नौटियाल ने बताया कि नगर व आसपास के 4 फिलिंग स्टेशन, एचपी एवं इंडेन गैस एजेंसी, 10 होटल रैस्टोरैंट में जांच की गई । बताया कि नगर के दो होटलों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई है।

पंडित नेहरू को याद किया

चमोली। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर सोमवार को गोपेश्वर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आजादी के बाद भारत के विकास की नींव का शिल्पी बताया। कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि देकर याद किया।कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनन्द सिंह पंवार, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह बिष्ट, कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष ऊषा रावत ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कांग्रेस पीसीसी सदस्य अरविंद नेगी, महामंत्री सेवादल सुरेश डिमरी, भगत, महेंद्र नेगी, जगतलाल, कुंवर सिंह भंडारी, महेश नेगी, शिवलाल आर्य, दुर्गा प्रसाद मैठाणी, सुरेन्द्र रोधियाल, राजेंद्र सिंह रावत आदि शामिल रहे।

श्रीनगर के आर्यन और आकृति ने जीते गोल्ड

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड स्टेटआर्म रेसलिंग प्रो पंजा लीग 80 केजी कैटेगरी में श्रीनगर के आर्यन कंडारी और 65 केजी कैटेगरी में आर्यन की बहन आकृति कंडारी ने गोल्ड मेडल जीता है। दोनों ने गोल्ड जीतकर चैंपियन ऑफ चैंपियन उत्तराखंड का खिताब अपने नाम किया है। दोनों भाई बहनों की सफलता पर श्रीनगर के जन सरोकारों से जुड़े लोगों ने खुशी व्यक्त की हैं।20 साल के आर्यन कंडारी और 16 साल की आकृति कंडारी अब 6 से 10 जून तक नागपुर में नेशनल आर्म रेसलिंग में प्रतिभाग करेंगे और सितंबर से दिल्ली में आर्म रैसलिंग प्रो पंजा लीग रोहतक राउडी की टीम से खेलेंगे। बच्चों के पिता उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी बताते हैं कि उनके दोनों बच्चे इस खेल के माध्यम से अपने श्रीनगर और अपने उत्तराखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। आर्यन और आकृति की कामयाबी पर व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश असवाल, महामंत्री अमित बिष्ट, कोषाध्यक्ष सुमन जोशी, जिला महामंत्री दिनेश पँवार, जिला संयुक्त महामंत्री जगदीप रावत, जिला उपाध्यक्ष आनंद भंडारी,जिला मीडिया प्रभारी दिनेश पँवार,हिमांशु अग्रवाल, सुजीत अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल,डांग व्यापार सभा अध्यक्ष सौरव पांडे, श्रीकोट व्यापार सभा के अध्यक्ष नरेश नौटियाल, महामंत्री त्रिभुवन राणा, भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवाण सहित नगर वासियों ने खुशी जाहिर की है।

रानीहाट में जगदीशिला डोली रथयात्रा का भव्य स्वागत

श्रीनगर गढ़वाल। बाबा विश्वनाथ मां जगदीशिला डोली रथयात्रा का रविवार को कीर्तिनगर की लोस्तु एवं बडियारगढ़ पट्टी के विभिन्न गांवों में पहुंचने पर श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने भव्य स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने देव डोली का दर्शन कर डोली से आशीर्वाद लिया। रविवार को डोली रथयात्रा के लोस्तु एवं बडियारगढ़ पट्टी स्थित श्री घण्टाकर्ण देवता मन्दिर में पहुंचने के बाद रात्रि विश्राम के लिए ग्राम रानीहाट के लिए पहुंची। इस दौरान भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने डोली रथयात्रा का जयकारों के साथ भव्य स्वागत किया है। डोली रथयात्रा संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि डोली ने रजत जयंती वर्ष के अवसर पर लोस्तु एवं बडियारगढ़ पट्टी सहित देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र विभिन्न देवालयों एवं सिद्धपीठों का चयन कर भ्रमण पर निकली है, जो क्षेत्रवासियों के साथ ही पूरे विश्व में सुख, शान्ति और समृद्धि की कामना करती है। उन्होंने कहा कि डोली यात्रा पूरे उत्तराखंड के 13 जनपदों के देवालयों का भ्रमण कर हजार धाम चिह्नित कर देश और प्रदेश में सुख, शान्ति और समृद्धि की कामना करती है। रथयात्रा में पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी के अलावा समिति के अध्यक्ष रूप सिंह बजियाला, भरत सिंह, भगवान सिंह राणा, चन्द्र सिंह रावत, मनोज राणा, मनोज रावत आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

पकड़े गए गुलदारों का वन विभाग ने किया मेडिकल

पौड़ी। श्रीनगर में पिंजरे में कैद हुए दो गुलदारों को वन विभाग विस्तृत मेडिकल परीक्षण के बाद ही छोड़ेगा। आए दिन श्रीनगर में गुलदार के हमलों के बाद वन विभाग के प्रति लोगों में रोष पनप रहा है। गुलदार ने श्रीनगर में आतंक मचा रखा है। अभी तक पिंजरों में वन विभाग ने दो गुलदारों को पकड़ने में सफलता पाई है हालांकि इस बीच गुलदार क्षेत्र में अभी भी दिखाई दे रहे है। ऐसे में वन विभाग की टीम ने यहां पिंजरे अभी भी नहीं हटाएं है।

चारधाम यात्रा को पौड़ी से जोड़ने की उठाई मांग

पौड़ी। शहर के स्थानीय लोगों ने चारधाम यात्रा को शहर से जोड़ने की मांग उठाई है। सोमवार को शहरवासियों ने डीएम को ज्ञापन देकर इस ओर जल्द कदम उठाने की मांग की है।सोमवार को समाजसेवी नीलम जुयाल, लीला ढौंडियाल, नीमा नेगी, प्रीति नेगी आदि ने डीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन दिनों चारधाम यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे है। जिसके चलते यात्री ऋषिकेश, हरिद्वार जैसे बड़े शहरों में जाम में फंसकर परेशान है। साथ ही परिवहन व ठहरने के लिए होटल नहीं मिलने से भी परेशान हो रहे है। कहा कि पर्यटन नगरी पौड़ी चारधाम मार्ग के समीप होने के साथ ही ठंडे वातावरण व यात्रियों की सुविधाओं के लिए अनुकूल है। पौड़ी में सरकारी व अर्द्धसरकारी विश्राम गृह, होटल पर्याप्त मात्रा में है। चारधाम यात्रा को पौड़ी से जोड़ने पर यात्रियों को सुविधाएं मिलने के साथ ही यहां के लोकल व्यापारियों को भी फायदा मिलेगा। उन्होंने जिला प्रशासन से इस ओर जल्द सकारात्मक कदम उठाने की मांग की है।

29 जुलाई से 3 अगस्त तक उच्चतम न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन

चमोली। उच्चतम न्यायालय में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सिविल जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार ने बताया कि उच्चतम न्यायालय में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। बताया विशेष लोक अदालत के आयोजन का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित वादों का निस्तारण करना है। जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ देना है।।उन्होंने यह भी बताया जनपद के किसी भी व्यक्ति का कोई मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। तो वह 28 जुलाई तक अपने मामले को स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उक्त विशेष लोक अदालत में लगवा सकता है। इस विषय में कोई व्यक्ति जानकारी चाहता है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरभाष नंबर पर 01372-251529 तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 15100 व ईमेल dlsa.chamoli@gmail.com पर मेल के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकता है।

विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना संपन्न कराने को लेकर डीएम ने ली समीक्षा बैठक

चमोली। लोकसभा सामान्य निर्वाचन की मतगणना 04 जून को सुबह 08:00 बजे से प्रारम्भ होगी। जिसमें विधानसभावार 14-14 टेबल लगायी जाएंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट हिमांशु खुराना ने एनआईसी सभागार में विधानसभा क्षेत्रवार मतगणना संपन्न कराने को लेकर समीक्षा बैठक लेते हुए सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल एवं प्रभारी अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने मतगणना स्थल पर नेटवर्किंग व्यवस्था तथा अपरिहार्य स्थिति में नेटवर्क की वैकल्पिक व्यवस्था, पर्याप्त संख्या में कम्प्यूटर लगाने, बैरिकेडिंग करने, बिजली-पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने, प्रॉपर साइनेज लगाने, कलरवाइज पास वितरित करने व मतगणना हेतु कार्मिकों की नियुक्ति करते हुए प्रशिक्षण की कार्ययोजना तैयार करने एवं मतगणना में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रपत्रों, लिफाफों एवं लेखन सामग्री की व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। पूरी मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी और मतगणना परिसर के अन्दर मोबाइल पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, सहित सभी आरओ व नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

गोपेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 8 को

चमोली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में 8 और 9 जून को उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड आर्थिक परिषद एवं सामाजिक आर्थिक विकास अध्ययन परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा।सम्मेलन के संयोजक अर्थशात्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ शिव कुमार लाल ने बताया कि भारत से विकसित तकः अवसर एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नामी अर्थशास्त्री जुटेंगे।

अलग-अलग होना चाहिए पति-पत्नी का बैंक खाता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रिलेशनशिप में प्यार, खुशियां, सम्मान और तालमेल होना जितना जरूरी है। उतना ही एक दूसरे के प्रति आदर होना भी आवश्यक है। क्योंकि जहां प्यार होता है, वहां लड़ाई भी होती है। भविष्य में पति-पत्नी के बीच लड़ाई न हो। इसके लिए उन्हें पहले से ही कुछ सावधानियों को अपनाना चाहिए। इसी में से एक हैं बैंक अकाउंट।आमतौर पर पार्टनर के बीच पैसों की वजह से मनमुटाव ज्यादा होते हैं। ऐसे में एक सवाल आता है कि क्या पति-पत्नी का बैंक अकाउंट अलग-अलग होना चाहिए? अगर आपके मन में भी ये ही सवाल है, तो आइए जानते हैं उन 3 बड़े कारणों के बारे में, जो बताते हैं कि क्यों पति-पत्नी का एक बैंक अकाउंट नहीं होना चाहिए?

अगर आपका अपने पार्टनर से अलग बैंक अकाउंट है, तो आप बिना किसी रोक-टोक के अपने खर्चे अपने हिसाब से कर पाएंगे। पैसों के लिए आपको अपने पार्टनर पर निर्भर नहीं होना होगा। इससे आप आत्मनिर्भर तो बनेंगे ही। साथ ही आपको पैसे रखने और उसे खर्च करने की समझ भी आएगी।

कोई भी रिश्ता दो लोगों से बनता है। ये जरूरी नहीं है कि दोनों लोगों की पसंद और आदत एक जैसी हो। जहां एक को फिजूलखर्ची करना पसंद न हो, तो वहीं दूसरा कुछ भी खरीदने से पहले एक बार भी पैसों की चिंता न करें। ये हो सकता है। ऐसे में जब दोनों के बैंक अकाउंट अलग-अलग होंगे, तो पैसों की वजह से उनके बीच टकराव होने की संभावना कम हो जाएगी। उन्हें अपने खर्चों के लिए सफाई देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जिंदगी में कभी भी कुछ भी हो सकता है। कभी-कभार पल भर में भी रिश्ते टूट जाते हैं। ऐसे में अगर आपका अपने पार्टनर से अलग बैंक अकाउंट है, तो सर्वाइव करने के लिए आपको उन पर निर्भर होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर आपकी जिंदगी में ऐसी स्थिती आती है, तो इसके लिए अलग-अलग बैंक अकाउंट का फैसला सही रहेगा।

अब नहीं झेलना होगा इंसुलिन के इंजेक्शन का दर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , इन दिनों डायबिटीज की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। अन हेल्दी डाइट और अच्छी लाइफ स्टाइल न होने के चलते कई लोग इस बीमारी का सामना करते हैं। इसी बीच डायबिटीज मरीजों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आई है। चीनी वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली है। दरअसल, चीनी वैज्ञानिकों ने सेल थेरेपी का इस्तेमाल करके एक मरीज के डायबिटीज को सफलतापूर्वक ठीक कर दिया है।केवल ग्यारह सप्ताह बाद, वह बाहरी इंसुलिन पर निर्भर नहीं रहे, और अगले साल, उन्होंने धीरे-धीरे कम कर दिया और फिर अपने ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने के लिए ओरल मेडिसिन लेना पूरी तरह से बंद कर दिया। प्रमुख रिसर्चर में से एक, यिन ने बताया कि परीक्षाओं से पता चला कि मरीज के पेनक्रियाटिक आइलेट फंक्शन को प्रभावी ढंग से बहाल किया गया था और अब मरीज 33 महीने से इंसुलिन-फ्री है।

यह सफलता डायबिटीज के लिए सेल थेरेपी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में सेलुलर और शारीरिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर टिमोथी किफर ने

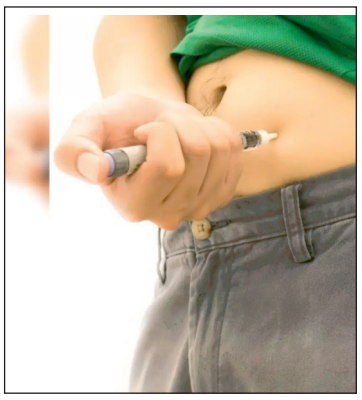

स्टडी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि यह अध्ययन स्टडी के लिए सेल थेरेपी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।चीनी टीम द्वारा विकसित नई थेरेपी में मरीज की अपनी Peripheral Blood Mononuclear Cells की प्रोग्रामिंग शामिल थी। इन सेल्स को सीड सेल्स में बदल दिया गया और आर्टिफिशियल वातावरण में पेनक्रियाटिक आइलेट टिश्यू को फिर से बनाने के लिए यूज किया गया। एससीएमपी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह नया इनोवेशन शरीर की रिजेनरेटिव कैपेसिटी का यूज करता है, जो एक रिजेनरेटिव मेडिसिन (टिश्यू और अंगों को विकसित करने के लिए यूज होता है) के रूप में जाना जाता है।

यह तकनीक पूरी तरह तैयार हो गई है और इसने डायबिटीज के इलाज के लिए रिजेनरेटिव ट्रीटमेंट के क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। डायबिटीज रोगियों की सबसे ज्यादा संख्या वाले चीन को हेल्थ केयर के भारी बोझ का सामना करना पड़ता है। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (International Diabetes Federation) के अनुसार, चीन में 140 मिलियन लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जिनमें से 40 मिलियन लोग आजीवन इंसुलिन इंजेक्शन पर डिपेंड हैं। यह नई सेल थेरेपी इस बीमारी को काफी हद तक कम कर सकती है।

संक्षिप्त खबरें

मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों के उच्चीकरण पर आभार जताया

रुद्रप्रयाग। आंगनबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका एवं मिनी कार्यकत्री कर्मचारी संगठन ने मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों के उच्चीकरण की मांग पूरी होने पर सोमवार को सरकार का आभार जताया है। बैठक में इस उपलब्धि के लिए प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी को सम्मानित किया है। सुमाड़ी में आयोजित संघ की बैठक में जखोली ब्लाक कार्यकारिणी का चुनाव कर राजेश्वरी राणा को पुनः ब्लाक अध्यक्ष, मुन्नी रावत को उपाध्यक्ष, संगीता रावत को कोषाध्यक्ष और विजय बागड़ी को सचिव चुना गया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने संगठन की उपलब्धियां गिनाते हुए सभी से शीघ्र सदस्यता शुल्क जमा करने को कहा है। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं से संगठन के प्रति समर्पित भाव से काम करने की अपील की है। इस अवसर पर अगस्त्यमुनि ब्लॉक की नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमन खंडूड़ी के साथ ही समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मान किया गया है।

दो दिवसीय इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स का समापन

रुद्रप्रयाग। विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी रुद्रप्रयाग में सोमवार को दो दिवसीय इंग्लिश स्पोकन कार्यशाला का समापन हो गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा सभी शिक्षक प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का मां शारदा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर विद्या भारती उत्तराखंड के प्रदेश सह मंत्री चन्द्र शेखर पुरोहित, विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल, पंडित ब्रह्मानंद नौटियाल सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर पुनाड़ के प्रधानाचार्य दयाल सिंह रावत, सरस्वती विद्या मन्दिर सुमाडी तिलवाडा के प्रधानाचार्य सुनील कबटियाल, सरस्वती विद्या मन्दिर गुप्तकाशी के प्रधानाचार्य दुर्गा प्रसाद चौकियाल द्वारा सयुंक्त रूप से किया गया। कार्यशाला में प्रमुख शिक्षक दुर्गा प्रसाद चौकियाल और सुनील बमोला द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई गई। प्रदेश सह मंत्री चन्द्र शेखर पुरोहित तथा शिशु शिक्षा समिति के प्रदेश सह मंत्री अरूण बाजपेयी द्वारा भी इंग्लिश स्पोकन की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। प्रथम सत्र में सेल्फ इंट्रोडक्शन स्टोरी मेकिंग आदि गतिविधियां करवाई गई। जबकि अगला सत्र आशीष शुक्ला (सहायक अध्यापक) राइका किमाणा रुद्रप्रयाग द्वारा लिया गया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल द्वारा सभी शिक्षकों प्रशिक्षार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए प्राप्त शिक्षा का प्रयोग अपने अपने विद्यालयों में लागू करने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षक आशीष शुक्ला को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

युवाओं में तेजी से बढ़ रही है गठिया की समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 मई , हर साल लगभग 14% भारतीय इस बीमारी के लिए चिकित्सा कीजरूरत महसूस करते हैं। यह बीमारी कितनी व्यापक है, इसके बावजूद इसके बारे में कई मिथक और तथ्य हैं जो लोगों को इसके लक्षणों से राहत पाना मुश्किल बनाते हैं। 'गठिया' के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून के निदेशक, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गुप्ता ने प्रेस वार्ता में गठिया और घुटने/कूल्हे के प्रतिस्थापन के बारे में विभिन्न तथ्य और मिथक साझा किए।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून में ऑर्थोपेडिक्स के निदेशक डॉ. गौरव गुप्ता ने कहा, "100 से अधिक विभिन्न प्रकार के गठिया होते हैं, जिनमें ऑस्टियोआर्थराइटिस (ओए) और रुमेटीइड गठिया (आरए) सबसे आम हैं। उन्होंने आगे बताया, "लोगों में यह आम धारणा है कि गठिया केवल बुजुर्गों को प्रभावित करता है पर आज कल यह बीमारी युवा आबादी में भी तेजी से बढ़ती जा रही है। पहले हम 60 से 65 साल की उम्र के मरीजों को गठिया की समस्या से जूझते देखते थे। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में हमने यह समस्या युवा वर्ग में भी देखी है।

सभी प्रकार के गठिया की बीमारी के अंतिम चरण में जोड़ो के ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून अपने जॉइंट रिप्लेसमेंट ऑपरेशनों में आधुनिक उन्नत एआई तकनीक के एकीकरण को करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो पारंपरिक सर्जरी की तुलना में रोगी देखभाल, रिकवरी परिणामों , कम रक्त हानि और न्यूनतम घाव के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीक है। इसमें रोबोटिक सर्जरीbhi शामिल है, जो एक कंसोल के माध्यम से एक सर्जन द्वारा नियंत्रित सटीक उपकरणों का उपयोग करती है, जो अधिक सटीकता और कम पुनर्प्राप्ति समय के साथ न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रियाओं की अनुमति देती है।

इसके अतिरिक्त, वर्चुअल रियलिटी टेक्नोलॉजी (होलो लेंस डिवाइस) एवं कंप्यूटर असिस्टेड टेक्नोलॉजी ऑपरेशन के दौरान सर्जनों को मार्गदर्शन करने के लिए वास्तविक समय, 3डी इमेजिंग प्रदान करते हैं, जिससे प्रत्यारोपण की सटीक नियुक्ति और जोड़ों का संरेखण सुनिश्चित होता है। रोबोट-सहायक सर्जरी इन तकनीकों को जोड़ती है, जो अत्यधिक विस्तृत और नियंत्रित गतिविधियों को सक्षम करती है जो पारंपरिक मैनुअल सर्जरी की क्षमताओं से उन्नत तकनीक है। जिससे बेहतर परिणाम और रोगी की संतुष्टि होती

है। मरीज़ अगले दिन जल्द से जल्द अपनी दैनिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने की उम्मीद कर सकते हैं । इस क्रांतिकारी तकनीक द्वारा समर्थित विशेषज्ञों की हमारी टीम गठिया पीड़ितों के लिए असाधारण, जीवन बदलने वाले उपचार देने के लिए समर्पित है।

जहां तक घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी का सवाल है, आज परिदृश्य बदल रहा है। हाल के रुझानों से पता चला है कि लोग अब सर्जरी के लाभों को समझते हैं और इसे अपनी जीवनशैली में सुधार के विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। टीकेआर सर्जरी की सफलता का हवाला देते हुए निदेशक डॉ. गौरव गुप्ता ने कहा, "घुटना प्रतिस्थापन सबसे सफल सर्जिकल प्रक्रियाओं में से एक है। टीकेआर एक शल्य चिकित्सा प्रक्रिया है जिसके तहत रोगग्रस्त घुटने के जोड़ को कृत्रिम सामग्री से बदल दिया जाता है जिसे कृत्रिम अंग कहा जाता है। घुटना प्रतिस्थापन न केवल रोगी को पुराने दर्द से राहत देता है बल्कि उन्हें जीवन की बेहतर गुणवत्ता भी देता है।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन के अनुसार, घुटने के प्रतिस्थापन से गुजरने वाले 90% रोगियों को दर्द में नाटकीय कमी और दैनिक गतिविधियों को करने की क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार का अनुभव होता है। कई मामलों में, वे उन गतिविधियों को फिर से शुरू करने में सक्षम होते हैं जिन्हें उन्होंने वर्षों पहले गठिया के दर्द के कारण छोड़ दिया था।" हमें आशा है कि हम हरिद्वार के अधिकतम निवासियों तक पहुंच सकेंगे और उन्हें गठिया से बचाव के लिए सरल जीवन शैली युक्तियों के बारे में शिक्षित कर सकेंगे। आजकल, बुजुर्ग और युवा दोनों वयस्कों में जोड़ों की गंभीर क्षति के साथ उन्नत गठिया का उपचार संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी और न्यूनतम इनवेसिव संयुक्त संरक्षण सर्जरी में प्रगति के साथ बहुत सफल है, जो मैक्स अस्पताल देहरादून में बहुत नियमित और सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

कैसे बनते हैं कलेक्टर, ट्रेनिंग से पोस्टिंग की प्रोसेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 मई , संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 में इस बार कुल 1016 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, जिनमें 664 पुरुष और 352 महिला उम्मीदवार हैं.कुल 2800 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने इंटरव्यू दिया था, जिसमें से उनका चयन किया गया. रिजल्ट के बाद प्रशिक्षु आईएएस को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। कुल ट्रेनिंग 2 साल की होती है और इसकी शुरुआत 15 सप्ताह के फाउंडेशन कोर्स से होती है।फाउंडेशन कोर्स में प्रशिक्षु आईएएस को प्रशासन, समाज, देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था आदि के बारे में बुनियादी जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही सिविल सेवाओं की चुनौतियों से भी परिचित कराया जाता है। फाउंडेशन कोर्स में उनकी पर्सनैलिटी ट्रेनिंग भी कराई जाती है। फाउंडेशन कोर्स पूरा होने के बाद चरण-1 की ट्रेनिंग शुरू होती है। इसकी शुरुआत 'भारत दर्शन' से होती है.

प्रशिक्षण की शुरुआत (आईएएस प्रशिक्षण चरण 1)

भारत दर्शनः प्रशिक्षु या प्रोबेशनर आईएएस अधिकारियों को अलग-अलग समूहों में बांटकर भारत दर्शन पर ले जाया जाता है, ताकि वे देश की संस्कृति, सभ्यता और विरासत से परिचित हो सकें। इसी क्रम में हम देश की तमाम हस्तियों से भी मिलते हैं. जैसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आदि। इसके बाद उन्हें थोड़े-थोड़े समय के लिए अलग-अलग कार्यालयों से जोड़ा जाता है, ताकि वे वहां की कार्य प्रणाली को गहराई से समझ सकें। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को पूरे सप्ताह लोकसभा सचिवालय में ट्रेनिंग भी दी जाती है. यह भी भारतीय दर्शन का एक हिस्सा है।

शैक्षणिक मॉड्यूलः भारत दर्शन के बाद, प्रशिक्षु आईएएस एलबीएसएनएए में वापस आते हैं, जहां 4 महीने का शैक्षणिक प्रशिक्षण शुरू होता है। जिसमें नीति निर्माण, भूमि प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा, ई-गवर्नेंस जैसे विषय शामिल हैं। मसूरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में एक आईएएस प्रशिक्षु का दिन सुबह 6 बजे शुरू होता है। जिला प्रशिक्षणः शैक्षणिक मॉड्यूल के बाद प्रशिक्षु आईएएस को जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। जहां वह एक साल बिताते हैं. जिले में रहकर हम वहां के विभिन्न विभागों के साथ प्रशासनिक कामकाज से लेकर जिले की चुनौतियों और उसके समाधानों को करीब से समझते हैं। एक तरह से ये प्रैक्टिकल ट्रेनिंग है.

द्वितीय चरण का प्रशिक्षण (चरण 2)

जिला प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, प्रशिक्षु आईएएस फिर से लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में लौट आते हैं। यहां उनकी आमने-सामने ट्रेनिंग होती है. जिसमें वह अपने जिले के प्रशिक्षण के अनुभवों, चुनौतियों आदि को साझा करते हैं। इस चरण में विशेष सत्र आयोजित किए जाते हैं जिनमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ उन्हें प्रशिक्षण देते हैं।

आप कलेक्टर कब बनते हैं?

कुल मिलाकर 2 साल की ट्रेनिंग के बाद प्रशिक्षु आईएएस स्थायी आईएएस अधिकारी बन जाते हैं। इसके बाद उन्हें संबंधित कैडर को सौंप दिया जाता है. इसके बाद वह संबंधित राज्य में उप जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम), एसडीएम, सीडीओ, एसडीओ या संयुक्त कलेक्टर के रूप में अपनी सेवा शुरू करता है। ये पद हर राज्य की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग हो सकते हैं. इन पदों पर कुल 6 साल बिताने के बाद आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर, डीएम या डिप्टी कमिश्नर के पद पर नियुक्त किया जाता है।

क्या प्रशिक्षण के लिए वेतन है?

सरकार लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को वेतन का भुगतान करती है। हर महीने मिलेगी 56,100 रुपये सैलरी. इसमें टीए-डीए और एचआरए शामिल नहीं है. हालांकि, उनकी सैलरी से कई कटौतियां होती हैं. एक तरह से उनके हाथ में करीब 35000 रुपये आ जाते हैं.

आईएएस सेवा की शुरुआत 1946 में हुई

भारतीय प्रशासनिक सेवा का गठन वर्ष 1946 में किया गया था। इससे पहले, ब्रिटिश शासन के दौरान, भारतीय शाही सेवा (आईआईएस) हुआ करती थी, जो 1893 से लागू थी। वर्तमान में, आईएएस अधिकारियों का चयन मुख्य रूप से दो तरीकों से किया जाता है। पहला- यूपीएससी के जरिए सीधी परीक्षा. दूसरे, आईएएस प्रत्येक राज्य के प्रांतीय सेवा अधिकारियों को पदोन्नत करके बनाया जाता है।

संपादकीय

दो त्रासद हत्याकांड

गुजरात के राजकोट और राजधानी दिल्ली की दो खौफनाक त्रासदियों के पीछे लापरवाही, कानूनहीनता और पैसे के लालच की कई अनकही कहानियां हैं। राजकोट के गेम जोन, मनोरंजन केंद्र की आगजनी में 9 मासूम बच्चों और 28 वयस्कों की मौत हो गई। मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढ़कर हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था। लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे। न निकास की समुचित व्यवस्था, न आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी, बल्कि डीजल के भरे ड्रम और टायरों के ढेर वहां पड़े थे। पूरा ज्वलनशील माहौल... ! राजकोट के उस परिसर में करीब 2000 लीटर पेट्रोल का भंडारण था। वह मनोरंजन स्थल था अथवा पेट्रोलियम की कोई दुकान... ! कमाल तो यह है कि गुजरात के शहरी विकास संबंधी कायदे-कानून ऐसी टिन संरचनाओं में ही 'गेम जोन' चलाने की अनुमति देते हैं। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के राज्य गुजरात में ऐसी घटिया और खतरनाक व्यवस्थाएं हैं, जो उनके विकास-दावों का मुंह चिढ़ाती हैं। गुजरात के 2017 के शहरी विकास कानून में मनोरंजन सुविधाओं के लिए निर्माण और सुरक्षा की 'शून्य' गाइडलाइन हैं। निजी कारोबारियों ने इन स्थितियों को भुनाया है और अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर मनोरंजन के धंधे चला रहे हैं। ऐसे न जाने कितने 'लाक्षागृह' गुजरात में होंगे? दिल्ली का खौफनाक, दर्दनाक, मासूम चीख-पुकार वाला हत्याकांड भी सामने आया है। आंकड़े गवाह हैं कि राजधानी में आग से मरने वालों की संख्या 2021-22 में 591 थी, जो बढ़कर 2022-23 में 1029 हो गई है। यानी बढ़ोतरी दोगुनी हुई है। हर रोज आगजनी से संबंधित औसतन 78 कॉल आती हैं। एक दिन के बाद आग की घटनाओं में औसतन 2 मौत होती हैं। कुछ सर्वेक्षणों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि देश भर के 10 में से 8 लोगों के घरों और दफ्तरों में आग से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

लिव इन रिलेशनशिप की ऑनलाइन देनी होगी जानकारी UCC पर उत्तराखंड की ये है तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 28,मईअब लिव इन रिलेशनशिप की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उत्तराखंड सरकार जल्द करने जा रही है। लिव इन में रह रहे तमाम जोड़ों को इस सुविधा के बाद रजिस्ट्रेशन कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब इसके लिए 18 से 21 साल आयु वर्ग के युवाओं के माता-पिता को सरकार सूचित करेगी।यूसीसी को लेकर सरकार की ओर से तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है। इसमें लिव-इन जोड़ों और विवाह के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सुविधा शुरू करने की कवायद चल रही है।सरकार ने खासतौर पर पहली बार खुलासा किया है कि लिव-इन का पंजीकरण ऑनलाइन संभव होगा। लिव-इन के लिए यूसीसी प्रावधानों के तहत जोड़ों को पंजीकरण कराने और सरकार की जांच का मुद्दा इस साल लोकसभा चुनावों से पहले युवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय बना हुआ था।

लिव-इन रिलेशनशिप की संस्तुतियों के लिए 9 सदस्य पैनल

उत्तराखंड सरकार में पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह के नेतृत्व में नौ सदस्यीय पैनल आवश्यक नियमों का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहा है। माना जा रहा है कि जून के अंत तक इसके पूरे होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि वे 2024 के अंत तक अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने की योजना बना रहे हैं।शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि हम लोगों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से औपचारिकताओं को पूरा करना आसान बनाना चाहते हैं।

कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा

लिव इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन के लिये कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, ये प्रक्रिया थोड़ी कठिन दिख रही है क्योंकि सरकारी कर्मचारियों को औपचारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शत्रुघ्न सिंह ने यह बात बताते हुए कहा कि हम समय सीमा को पूरा करने के लिए नियम बनाने और एक साथ प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर उप-पंजीयक कार्यालय के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण ग्राम स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से रजिस्ट्रेशन की विधि की जानकारी दी जाएगी

रजिस्ट्रार कार्यालय के नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

लाइव इन रजिस्ट्रेशन के लिए रजिस्ट्रार कार्यालय में भाग दौड़ नहीं करनी पड़ेगी।शत्रुघ्न सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि ऑनलाइन सुविधा से रजिस्ट्रार कार्यालय में बार-बार जाने की आवश्यकता को कम किया जाएगा। इससे लिव इन जोड़ों और सरकारी कर्मचारियों दोनों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त समय की आवश्यकता के बावजूद योजना व्यापक और फुलप्रूफ होगी। उन्होंने कहा कि हम लिव-इन रिलेशनशिप के खिलाफ नहीं हैं। हम किसी भी प्रतिबंध लगाने की योजना नहीं बना रहे हैं। हालांकि, 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के जोड़ों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिए उनके माता-पिता को सूचित किया जाएगा। पूर्व मुख्य सचिव ने कहा कि हमारा इरादा यह सुनिश्चित करना है कि माता-पिता अपने बच्चों के रिश्तों के बारे में जागरूक हों।

रिलेशन और तलाक का रजिस्ट्रेशन न कराने पर जुर्माना या जेल

लिव-इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन के संबंध में यूनिफॉर्म सिविल कोड के सख्त नियम हैं। जोड़ों को एक महीने के भीतर अपनी लिव-इन स्थिति दर्ज करानी होगी। अगर वे इस नियम का पालन करने में विफल रहते हैं तो उन्हें तीन महीने की जेल की सजा या 10,000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यदि रजिस्ट्रेशन तीन महीने से अधिक नहीं होता है तो जोड़े को अधिकतम छह महीने की जेल, 25,000 रुपये का जुर्माना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है।सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि लिव-इन रिलेशनशिप के दौरान अगर कोई संतान पैदा होती होती है तो अवैध नहीं माना जाएगा। नियम के तहत पैदा हुए बच्चों को कानूनी तौर पर जोड़े की वैध संतान के रूप में मान्यता दी जाएगी। वे विवाह के बाद पैदा होने बच्चों की तरह ही सभी अधिकारों के हकदार होंगे।

यूनिफॉर्म सिविल कोड में विवाह के उम्र में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लड़कियों के लिए एक समान विवाह योग्य आयु (सभी धर्मों में 18 वर्ष निर्धारित) का निर्धारण पूर्व की तरह ही किया गया है। इसके साथ ही अन्य प्रमुख नियमों में 60 दिनों के भीतर विवाह और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण कराना होगा। बेटों और बेटियों के लिए समान विरासत अधिकार यूसीसी के तहत दिए गए हैं। यदि कोई विवाह या तलाक पंजीकरण प्रक्रिया का पालन करने में लापरवाही करता है, तो उप-पंजीयक 10,000 रुपये तक का जुर्माना लगा सकता है , इन सब का सीधा सा मतलब यह है कि आपके संबंधों को मान्यता प्रदान करते हुए सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करना सरकार की निगरानी में रहे।

दून गर्ल्स एंड बॉयज के रंगारंग एंड ऑफ टर्म कार्यक्रम में दसवां रस ने जीता सबका दिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,28, मई : देहरादून डालनवाला के दून गर्ल्स स्कूल और दून बॉयज स्कूल के एंड ऑफ टर्म कार्यक्रम 2024 के आयोजन में ₹दसवां रस₹ नृत्य नाटिका ने सभी का मन मोह लिया। स्कूल में रंगारंग कार्यक्रमों की शुरुआत विद्यालय के जुबली सॉन्ग इन द हॉल ऑफ नॉलेज से की गई इसी के साथ इस साल कार्यक्रम की थीम नृत्य नाटिका ₹दसवां रस₹ थी जिसमें छात्रों ने जीवन के सभी नवरसों का शानदार प्रस्तुतीकरण किया। विद्यार्थियों द्वारा मंच पर जीवन के वह सभी नव रस जिनमें हास्य, वीर, रौद्र, भयानक, वीभत्स, करूणा, अद्भुत, श्रंगार और शांत रस के बीच सामंजस्य बिठाते हुए एक स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण का संदेश देना सभी को प्रसन्न कर गया। विद्यालय में अध्यापक और अभिभावक गोष्टी के साथ ही पेरेंट्स के लिए ओपन हाउस भी आयोजित किया गया जिसमें

विद्यालय की नई इमारत ₹डीजीएस विजन 2025₹ का भी अनावरण किया गया।

विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम के मौके पर स्कूल ग्राउंड में लिटिल हैंड्स एंड वर्क के नाम की प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा बनाए गए पॉटरी, निडल वर्क, बैंबू क्राफ्ट,स्वीट एंड सॉर डिजाइनिंग उत्पादों को जब अभिभावकों ने देखा तो वह सभी छात्रों की क्रिएटिविटी की प्रशंसा करते हुए देखे गए।

जब मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की उन्मुक्त प्रशंसा करी

स्कूल के इस रंगारंग कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों की कला और कौशल के लिए समारोह में आए हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर जगप्रीत सिंह हेड मास्टर द दून स्कूल ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गए दसवां रस कार्यक्रम में भाव प्रस्तुतीकरण पर जमकर तारीफ करी।

टेकचंद ऑल राउंड प्रोफिशिएंसी अवार्ड

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही विद्यालय में 2030 24 के लिए टेकचंद ऑलराउंड प्रोफिशिएंसी अवार्ड विद्यालय की पूर्व छात्र चाहना गांधी और पूर्व छात्र अंश सिकारिया को दिया गया ।स्कूल के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित और पुरस्कार भी किया गया जिनमें 25 विद्यार्थी की कला और कौशल का प्रदर्शन सभी को देखने को मिला। पुरस्कृत होने वाले छात्रों में कला के लिए सायशा जैन क्राफ्ट के लिए श्वेनी जैन वादन में खेतान और मिराया अग्रवाल, कथक नृत्य के लिए यशस्वी यादव, कंटेंपरेरी नृत्य के लिए लावण्या पटेल, बंबू वर्क में कविता बिष्ट कैली स्थनिक में काव्यांजलि चौहान डिजाइनिंग में तमरीन बरार निडल वर्क के लिए आदित्य गुप्ता योग के क्षेत्र में मृदनी चौहान, टेबल टेनिस में काव्याचुग, बास्केटबॉल में साइमा अरोरा, अभिक लोहिया, बैडमिंटन में अंकिता दास विभोर आर्या, मास्टर इन जनरल नॉलेज के लिए आरहान स्वरूप, आइडियल में विकास ओवर ऑल एकेडमिक्स में आद्या ममगई ईशानी रावत, डेवलपमेंट इन कम्युनिकेशन में विहान जोशी, डेवलपमेंट इन क्लास के लिए हृदय नागपाल स्टार गायको में विवान बहुगुणा स्टार वादक आदि को कला नृत्य खेल और अन्य सह पाठयक्रम में भाग लेने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

समारोह के दौरान कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या सुमाली देवगन ने विद्यालय में आए हुए अतिथियों अभिभावकों का आभार व्यक्त किया इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष सी पी डंग, आरती देवगन श्रीमती प्रियो लाल, डॉक्टर अनुज सिंह और स्कूल की पूर्व निदेशका इंदिरा गोस्वामी मौजूदा समय में निदेशिका मोनिशा दत्ता और कई विद्यालयों के लोग भी उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी मोरी ब्लॉक के सालरा गांव में भीषण अग्निकांड पांच लोग झुलस कई घर जलकर हुए राख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी,28,मई : उत्तरकाशी के पुरोला मोरी ब्लाक के सुदूर सालरा गांव में भीषण अग्निकांड की खबर आई है। खबर लिखे जाने से पहले ही एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम अग्निकांड स्थल के लिए रवाना हो चुकी है।

14 से 15 घर अग्निकांड के हुए शिकार

अग्निकांड की खबर मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया ।उत्तरकाशी के पुरोला मोरी ब्लाक के दूरस्थ सालरा गांव में भीषण अग्निकांड हो गया। लगभग 14 से 15 मकान आग से क्षतिग्रस्त होने की खबर है। अग्निकांड की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। आग लगने से कितना नुकसान हुआ इस बात का निरीक्षण और आग को पूरी तरह से बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही राजस्व विभाग फायर सर्विस और पुलिस टीम भी मौके पर तप्तपरता दिखाते हुए पहुंच चुके हैं। बताया जा रहा है कि आग बुझाने में पांच लोग झुलस गये हैं जिनके इलाज का प्रबंध प्रशासन ने किया है।

जिलाधिकारी ने बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए

जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने उपजिलाधिकारी पुरोला व तहसीलदार मोरी से घटना की जानकारी प्राप्त करते हुए मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों को तेजी से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे जाने के लिए सेना से अनुरोध किया गया है। प्रशासन ग्राम प्रधान सहित अन्य ग्रामीणों से संपर्क बनाए हुए है।

अग्निकांड की सूचना ग्राम प्रधान ने तुरंत प्रशासन को भेजी

ग्राम प्रधान सालरा ने बिना वक्त गंवाए इस सम्बंध में तत्काल प्रशासन को इस अग्निकांड की सूचना भेजी,जिस पर एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी थी। मोरी ब्लॉक से फायर ब्रिगेड टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गयी थी। राहत एवं बचाव दल के साथ ही मेडिकल टीम, वन विभाग व पशु चिकित्सा टीम भी मौके पर पहुंच रही है ।सूचनाओं के आधार पर गांव में पानी की उपलब्धता नहीं है। गांव में टेलीकम्युनिकेशन के लिए नेटवर्क की सुविधा भी नहीं है। बताया जा रहा है कि सालार गांव से पानी करीब आधा किमी दूर है। इस कारण आग पर काबू पाने में समय लग रहा है। बेकाबू आग से दूसरे अन्य घरों के प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।